भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-**110001**

सं. ईसीआई/प्रे.नो./**62**/**2017** दिनांक: **24** जुलाई, 2017

प्रेस नोट

आईआईआईडीईएम और अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए द्वारा विश्वव्यापी रूप से क्षमता निर्माण हेतु निर्वाचकीय प्रशिक्षण पर दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला का आयोजन।

भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम), अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के सहयोग से 'वैश्विक लोकतंत्रों हेतु निर्वाचकीय प्रशिक्षण सुविधाओं का लाभ उठाना' संबंधी विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। यह कार्यशाला **24** और **25** जुलाई, 2017 को ललित होटल, नई दिल्ली में आयोजित की जा रही है। आस्ट्रेलिया, नेपाल, बुलगारिया, नाइजीरिया और जॉर्जिया के निर्वाचन प्रबंधन निकायों (ईएमबी); अंतर्राष्ट्रीय संगठनों यथा एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड इलेक्शन बॉडीज, यूनाइटेड नेशनस डवेलपमेंट प्रोग्राम और यूनाइटेड नेशनस इलेक्टोरल असिस्टेंस डिवीजन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों से अन्य भारतीय निदेशक भी इस दो-दिवसीय कार्यशाला में भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री अचल कुमार जोति द्वारा कार्यशाला के उद्घाटन से हुई। श्री जोति ने बताया कि प्रत्येक देश के अपने अनूठे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक ढांचे के साथ 'सभी के लिए उपयुक्त' दृष्टिकोण को अंगीकार करना लोकतांत्रिक शासन प्रणाली और व्यक्तियों के सशक्तिकरण की दिशा में अनावश्यक सिद्ध होगा। नवप्रवर्तन की आवश्यकता को हटाया नहीं जा सकता क्योंकि तकनीक ने उन तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है जिसमें देश और उसके लोग हैं और साथ ही वह रीति जिसमें वे सोच-विचार करते हैं।

श्री जोति ने आगे कहा कि निर्वाचनों के प्रत्येक पांच वर्ष में होने के कारण ईसीआई, 11 मिलियन से अधिक निर्वाचन और सुरक्षा कर्मी तैनात करता है। इतना बड़ा कार्यबल यह सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया जाता है कि मतदाता अपनी पंसद के अनुसार अपना मतपत्र डाल सकें।

श्री सुदीप जैन, उप निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि बहुत से देशों में निर्वाचनों का आयोजन विभिन्न क्षेत्रों से प्रोफेशनलों की टीम तैयार करके किया जाता है। इन्हें बहुत ही लघु अवधि के लिए तैयार किया जाता है फिर भी इन प्रोफेशनलों को त्रुटि रहित निर्वाचन करवाने होते हैं। दिए गए इस संदर्भ तथा साथ ही वह विशिष्टता जो निर्वाचन पदधारियों के पास होनी अपेक्षित है, यह कार्यशाला विश्वभर में एक समान परिवर्तनों का सामना कर रहे निर्वाचन अधिकारियों को एक साथ लाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य निर्वाचकीय प्रशिक्षण संबंधी चुनौतियों पर मंथन करने और भावी सहकार्य हेतु संभावनाओं का पता लगाना है। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला के अंत में निर्वाचकीय प्रशिक्षण संस्थानों के क्षमता निर्माण दृष्टिकोण और उनकी भूमिका को मजबूती प्रदान करने की ओर लक्षित सहकार्य और सहयोग की नई दिल्ली की घोषणा जारी होगी।

श्री एरिक एसप्लंड, वरिष्ठ प्रोग्राम अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए ने स्पष्ट किया कि पिछले कुछ दशकों से अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए लोकतंत्र को दीर्घकालिक समर्थन देने की ओर कार्य कर रहा है। आधारभूत परिकल्पना विश्वव्यापी रूप से कार्य करना है ताकि सर्वोत्तम परिपाटियों को साझा किया जा सके। निर्वाचनों का संचालन एक जटिल प्रक्रिया है जो स्टाफ को प्राथमिकता के आधार पर रखने की अपेक्षा करता है। इसी से क्षमता निर्माण की आवश्यकता उत्पन्न होती है जो कि अनिवार्य रूप से तकनीकी नहीं होती है। आशा की जाती है कि यह दो दिवसीय कार्यशाला हाल ही के प्रशिक्षण कार्यक्रम की युद्ध स्तरीय योजना बनाने में सहायता करेगी।

कार्यशाला के उद्घाटना सत्र में आईआईआईडीईएम द्वारा समेकित **130** लोकतंत्रों द्वारा प्रयुक्त मतदान प्रक्रियाओं का सार-संग्रह- 'हाऊ द वर्ल्ड वोट्स' का आधिकारिक लोकार्पण भी किया गया।
दो दिवसीय कार्यशाला में संवादात्मक प्रस्तुतिकरण होगा जिसकी अध्यक्षता निर्वाचकीय सुविज्ञों यथा पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त– डा. नसीम जैदी और डा. एस.वाई. कुरैशी करेंगे और अन्य वरिष्ठ कार्यशाला प्रतिभागी अन्य विषयों के साथ-साथ लोकतंत्र के लिए निर्वाचकीय प्रशिक्षण में आने वाली चुनौतियां, प्रशिक्षण सुविधाओं की व्यवस्था और संचलन करने और उनको उपलब्ध कराने तथा लंबे समय तक इनको चलाए जाने संबंधी मुद्दों, समावेशन के लिए निर्वाचकीय प्रशिक्षण, राजनैतिक दलों; सुरक्षा कर्मियों; प्रेक्षकों; मीडिया और सिविल सोसाइटी संगठनों के प्रशिक्षण पर अनुभवों को साझा करना, निर्वाचकीय प्रशिक्षण में तकनीक का प्रयोग सुदूर-शिक्षण पर भी प्रस्तुतीकरण देंगें।

(एस.के. दास)
अवर सचिव